



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 03.06.2021

THE TRIBUNE



NODAL CENTRE FOR VIRTUAL LABS

Faridabad: JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad has been set up as a nodal centre for virtual labs by the Ministry of Human Resource Development through its National Mission on Education through Information and Communication Technology (NMEICT). A virtual laboratory is a tool for distance learning and experimentation that allows people to share knowledge, data, voice, video, tools, and many other resources. The Indian Institute of Technology, Delhi, is one of the participating institutes in the project. To provide hands-on experience to students and faculty on the features of virtual lab utility, the computer centre and digital affairs cell of JC Bose University in collaboration with virtual labs-IIT Delhi has been organising a one day hands-on workshop on virtual labs.

The Tribune

Thu, 03 June 2021

<https://epaper.tribune>





J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 03.06.2021

THE PIONEER

एडवांस मेटेरियल्स पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू

प्रौद्योगिक उन्नति के लिए एडवांस मेटेरियल्स पर शोध कार्य जरूरी : प्रो. दिनेश कुमार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के भौतिकी विभाग द्वारा एडवांस मेटेरियल्स पर एक सप्ताह के ऑनलाइन मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। पाठ्यक्रम के उद्घाटन सत्र में आईआईटी दिल्ली के प्रो. हितेंद्र के मलिक मुख्य वक्ता रहे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की।



सत्र की शुरुआत डॉ. अनुराधा शर्मा के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने पाठ्यक्रम पर एक संक्षिप्त परिचय दिया और बताया कि यह कैसे युवा पीढ़ी को शोध दृष्टिकोण से लाभ पहुंचा सकता है। उन्होंने इस सूचना युग में सिलिकॉन सिंगल क्रिस्टल के महत्व और इसके गुणों के बारे में बताया। विज्ञान संकाय के डीन प्रो. आशुतोष दीक्षित ने मूल्यवान वर्धित पाठ्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा नियमित पाठ्यक्रम के

अलावा इस तरह के पाठ्यक्रम ज्ञानवर्धन के रूप में आयोजित किए जाते हैं। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने एडवांस मेटेरियल्स के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि विभिन्न प्रकार के मेटेरियल्स के अलग-अलग अनुप्रयोग हैं और नए मेटेरियल के बिना कंप्यूटर विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स के विभिन्न क्षेत्रों में नई प्रगति नहीं की जा सकती उन्होंने भौतिकी में स्नातकोत्तर के दौरान विशेषज्ञता लाने के दृष्टिकोण के लिए ऐसे आयोजनों को लाभादायक बताया। अपने मुख्य संबोधन में डॉ. एच.के. मलिक ने प्लाज्मा की मूल बातों पर चर्चा की और बताया कि कैसे प्लाज्मा और मेटेरियल को एक साथ मिलाया जा सकता है।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCAs, Faridabad
(formerly YMCAs University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 03.06.2021

PUNJAB KESARI

एडवांस मेटेरियल्स पर एक सप्ताह के ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू

फरीदाबाद, 2 जून (ब्यूरो): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के भौतिकी विभाग द्वारा एडवांस मेटेरियल्स पर एक सप्ताह के ऑनलाइन मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। पाठ्यक्रम के उद्घाटन सत्र में आईआईटी दिल्ली के प्रो. हितेंद्र के मलिक मु य वक्ता रहे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। सत्र की शुरुआत डॉ. अनुराधा शर्मा के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने पाठ्यक्रम पर एक संक्षिप्त परिचय दिया और बताया कि यह कैसे युवा पीढ़ी को शोध दृष्टिकोण से लाभ पहुंचा सकता है। उन्होंने इस सूचना युग में सिलिकॉन सिंगल क्रिस्टल के महत्व और इसके गुणों के बारे में बताया। विज्ञान संकाय के डीन प्रो. आशुतोष दीक्षित ने



कार्यशाला को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

मूल्यवान वर्धित पाठ्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा नियमित पाठ्यक्रम के अलावा इस तरह के पाठ्यक्रम ज्ञानवर्धन के रूप में आयोजित किए जाते हैं। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने एडवांस मेटेरियल्स के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि विभिन्न प्रकार के मेटेरियल्स के अलग-अलग

अनुप्रयोग हैं और नए मेटेरियल के बिना कंप्यूटर विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स के विभिन्न क्षेत्रों में नई प्रगति नहीं की जा सकती उन्होंने भौतिकी में स्नातकोत्तर के दौरान विशेषज्ञता लाने के दृष्टिकोण के लिए ऐसे आयोजनों को लाभादायक बताया।

अपने मु य संबोधन में डॉ. एच.के. मलिक ने प्लाज्मा की मूल बातों पर चर्चा की और बताया कि कैसे प्लाज्मा और मेटेरियल को एक साथ मिलाया जा सकता है और विभिन्न प्रकार के अनुप्रयोगों के लिए उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने आईसी और सेमीकंडक्टर उद्योग में तकनीक के महत्व पर भी चर्चा की।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 03.06.2021

Amar Ujala

एक सप्ताह के ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरु



फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग द्वारा एडवांस मेटेरियल्स विषय पर एक सप्ताह के ऑनलाइन मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। पाठ्यक्रम के उद्घाटन सत्र में आईआईटी दिल्ली के प्रो. हितेंद्र के मलिक मुख्य वक्ता रहे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। वहीं विज्ञान संकाय के डीन प्रो. आशुतोष दीक्षित ने मूल्यवान वर्धित पाठ्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डाला। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने एडवांस मेटेरियल्स के महत्व पर प्रकाश डाला। ब्यूरो



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 03.06.2021

Amar Ujala

**जेसी बोस विवि
वर्चुअल प्रयोगशाला
का नोडल केंद्र बना**

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को मानव संसाधन मंत्रालय के सूचना प्रौद्योगिकी आधारित राष्ट्रीय शिक्षा मिशन के माध्यम से वर्चुअल प्रयोगशालाओं के लिए नोडल केंद्र के रूप में स्थापित किया गया है। वर्चुअल प्रयोगशाला दूरस्थ शिक्षा और प्रयोग के लिए एक उपकरण है। यह विद्यार्थियों को ज्ञान, डेटा, आवाज, वीडियो, उपकरण और कई अन्य संसाधनों को साझा करने में सक्षम बनाता है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली परियोजना का एक प्रतिभागी संस्थान है। वर्चुअल लैब सुविधाओं से विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को परिचित करवाने और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए जेसी बोस विवि के कंप्यूटर सेंटर और डिजिटल अफेयर सेल द्वारा आईआईटी दिल्ली की वर्चुअल लैब्स के सहयोग से वर्चुअल लैब्स पर हैंड्स-ऑन वर्कशॉप का आयोजन कर रहा है। कार्यशाला का संचालन आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञ वक्ता करेंगे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने महामारी के दौरान विद्यार्थियों के लिए वर्चुअल लैब सुविधाएं शुरू करने के लिए डिजिटल अफेयर सेल द्वारा की गई पहल की सराहना की है। यह विद्यार्थियों को ऑफलाइन प्रयोगशालाओं और सुविधाओं के अभाव में प्रयोगशाला अनुभव प्राप्त करने में मदद करेगा। ब्यूरो



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email: proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 03.06.2021

HINDUSTAN

जेसी बोस विवि बना नोडल केंद्र

फरीदाबाद। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विभाग के माध्यम से जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को वर्चुअल प्रयोगशालाओं के लिए नोडल केंद्र के रूप में स्थापित किया है।

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विभाग शिक्षा पर अपने राष्ट्रीय मिशन के माध्यम से वर्चुअल प्रयोगशालाओं का दूरस्थ शिक्षा के लिए उपयोग कर सकेगा। यह वर्चुअल प्रयोगशाला दूरस्थ शिक्षा और प्रयोगों के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण की तरह होगा। जहां छात्रों को ज्ञान, डेटा, आवाज, वीडियो और कई अन्य संसाधनों को अपने अनुभव साझा करने में सक्षमता मिलेगी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान परियोजना में पहले ही शामिल है। प्रयोगशाला में छात्रों और संकाय सदस्यों को सुविधाएं मिल सकेंगी।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 03.06.2021

NAVBHARAT TIMES

वाईएमसीए बना नोडल केंद्र

■ वरिष्ठ संवाददाता, फरीदाबाद: जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) फरीदाबाद को मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (एनएमईआईसीटी) के माध्यम से वर्चुअल प्रयोगशालाओं के लिए नोडल केंद्र के रूप में स्थापित किया गया है। वर्चुअल प्रयोगशाला दूरस्थ शिक्षा और प्रयोग के लिए एक उपकरण है जो विद्यार्थियों को ज्ञान, डेटा, आवाज, वीडियो, उपकरण और कई अन्य संसाधनों को साझा करने में सक्षम बनाता है। कार्यशाला का संचालन आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञ वक्ता करेंगे। कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने महामारी के दौरान विद्यार्थियों के लिए वर्चुअल लैब सुविधाएं शुरू करने के लिए डिजिटल अफेयर्स सेल द्वारा की गई पहल की सराहना की है। विश्वविद्यालय में डिजिटल मामलों की निदेशक डॉ. नीलम दुहन ने कहा कि वर्चुअल लैब विद्यार्थियों को ऐसे कई प्रयोग करने में सक्षम बनाएगी जो जोखिमों के कारण वास्तविक प्रयोगशालाओं में करना मुश्किल है।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCAs, Faridabad
(formerly YMCAs University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

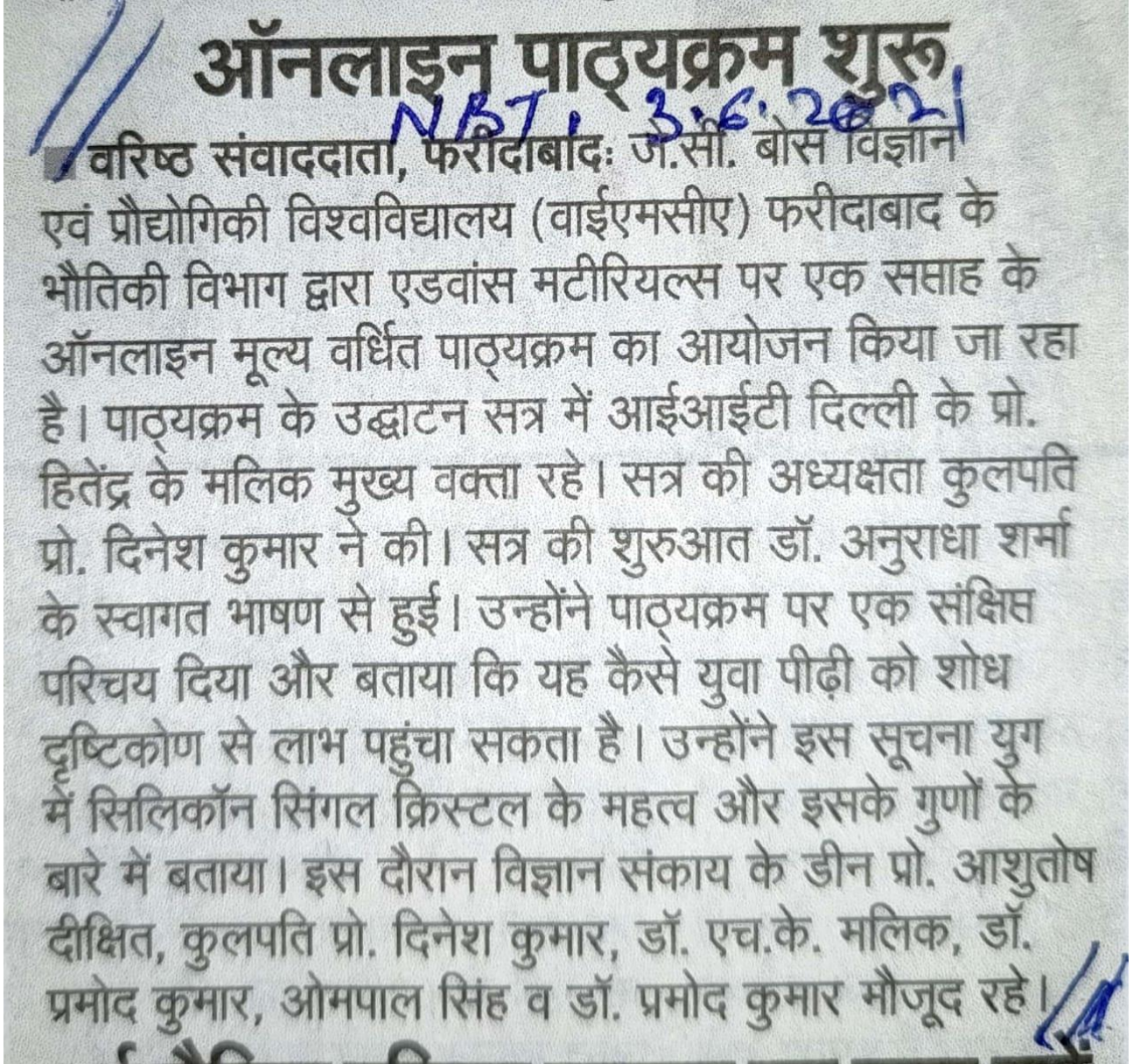
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 03.06.2021

NAVBHARAT TIMES





J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 03.06.2021

THE PIONEER

जेसी बोस में बना वर्चुअल प्रयोगशाला के लिए नोडल केंद्र

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि, वाईएमसीए, को मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सूचना प्रौद्योगिकी आधारित राष्ट्रीय शिक्षा मिशन (एनएमईआईसीटी) के माध्यम से वर्चुअल प्रयोगशालाओं के उपयोग के लिए नोडल केंद्र के रूप में स्थापित किया है। वर्चुअल प्रयोगशाला दूरस्थ शिक्षा और प्रयोग के लिए एक उपकरण है जो विद्यार्थियों को ज्ञान, डेटा, आवाज, वीडियो, उपकरण और कई अन्य संसाधनों को साझा करने में सक्षम बनाता है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली परियोजना का एक प्रतिभागी संस्थान है। कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने महामारी के दौरान विद्यार्थियों के लिए वर्चुअल लैब सुविधाएं शुरू करने के लिए डिजिटल अफेयर्स सेल द्वारा की गई पहल की सराहना की है।